महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

पत्रांकः एम0जे0पी0रू0वि0/प0नि0का0/2021/5575-82 दिनांकः 30.06.2021

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या
समस्त संबंधित संस्थान/महाविद्यालय
सम्बद्ध एम0जे0पी0रू0वि0,बरेली।

विषय– मुख्य परीक्षा 2021 हेतु स्नातक/परास्नातक के प्रश्नपत्रों के प्रारूप का संबंध में।

महोदय/महोदया,

परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 11.06.2021 में लिए गये निर्णय के अनुपालन में विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षा 2021 हेतु स्नातक/परास्नातक की परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों के प्रारूप तैयार किये जाने के संबंध में गठित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारूप का कुलपति महोदय द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है, जोकि निम्नवत् है–

स्नातक(बी0ए0,बी0एस0सी0,बी0काम0) परीक्षा हेतु

1. स्नातक कक्षाओं के लिए एक ही प्रश्नपत्र में सभी प्रश्नपत्रों में से प्रश्न पूछे जाये।
   - (I) प्रथम प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रकार का रखा जाये जिसमे सभी प्रश्नपत्रों के प्रश्न शामिल किये जाये एवं छात्रों को किसी भी एक प्रश्न के उत्तर देने का विकल्प हो। **(30 अंक)**
   - (II) लघु उत्तरीय (Short Question) प्रश्न भी सभी प्रश्नपत्रों से शामिल किये जाये। प्रश्नों की संख्या 10 हो जिसमें से कोई भी चार प्रश्न करने की विकल्प हो। **(50 अंक)**
   - (III) बहुविकल्पीय प्रश्न भी सभी प्रश्नपत्रों से पूछे जाये। प्रश्नों की संख्या 10 हो जिसमें से कोई भी 05 प्रश्नों के उत्तर देने का विकल्प हो। **(20 अंक)**

परास्नातक (एम0ए0, एम0एस0सी0, एम0काम0) परीक्षा हेतु

स्नातकोत्तर के सभी प्रश्नपत्र अलग–अलग कराये जाये और कोई भी तीन प्रश्नों के उत्तर देने का विकल्प रहे जिससे स्नातकोत्तर छात्रों को भविष्य में कोई समस्या न आये। स्नातकोत्तर कक्षाओं को उत्तीर्ण करने के उपरान्त छात्र जब विभिन्न साक्षात्कार में जाते है तो उनसे विशिष्ट प्रश्नपत्र को पूछा जाता है और उसमें प्राप्त नम्बर अलग से पूछे जाते है। स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रश्नपत्र विशिष्ट प्रकृति के होते है अतः अलग–2 प्रश्न कराना ही ज्यादा उचित होगा। प्रश्न पत्रों को दो ग्रुपों में बॉटा जा सकता है जिसमें से एक ग्रुप मे 07 प्रश्न 35–35 अंकों के रखे जा सकते है, जिसमें से कोई 02 प्रश्न करें और दूसरे ग्रुप में 03 प्रश्न 30–30 अंकों के रखे जा सकते है जिसमें से कोई एक प्रश्न करना होगा ताकि पूर्णांक 100 अंकों का हो जाय और मूल्यांकन में सुविधा हो।

साहित्यिक विषयों (अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, हिन्दी, फारसी आदि) से सम्बन्धित स्नातक/स्नातकोत्तर के प्रश्नपत्र को तीन ग्रुप में विभाजित किया जाय। जिसमें प्रथम ग्रुप में पाठ्य पुस्तक से संबंधित दिये गये गंधाश/पधांशो में से एक ही व्याख्या करनी होगी जो 35 अंको का होगा। ग्रुप दो में दीर्घ प्रश्न होंगे जिसमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा तथा ग्रुप तीन में से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न अथवा 20 बहुविकल्पीय करने होगें जिनके अंक 30 होगें।

कृपया उपरोक्त प्रारूप के अनुसार अपने स्तर से संबंधित छात्र/छात्राओं को सूचित कर आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय

परीक्षा नियंत्रक

प्रतिलिपि– निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. डा0 अमित सिंह, मीडिया प्रभारी।
2. सहायक कुलसचिव (परीक्षा)
3. प्रशासनिक अधिकारी (परीक्षा/गोपनीय)
4. निजी सचिव–कुलपति को कुलपति महोदय के संज्ञानार्थ।
5. प्रभारी, अतिगोपनीय/विश्वविद्यालय वेबसाइट/केन्द्रीय कम्प्यूटर।
6. प्रभारी, संबंधित परीक्षा एजेन्सी।
7. वयैक्तिक सहायक, कुलसचिव।

परीक्षा नियंत्रक